चण्डीगढ़ में रशियन कलाकारों ने की विहंग मार्ग की सेवा

घर-घर तक पहुँचा ईश्वरीय संदेश

चण्डीगढ़ 28 अक्तूबर: रशिया से आए ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के कलाकारों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से विहंग मार्ग की सेवा करके घर-घर तक ईश्वरीय संदेश पहुँचाया। दो दिन तक 30 डिवाईन लाईट कलचर ग्रुप के कलाकारों द्वारा टैगोर थियेटर सैक्टर 18 में अनेक रंगारंग हिन्दी, पंजाबी व रूसी आध्यात्मिकता व देश प्रेम से ओत-प्रोत गीत-संगीत व नृत्य प्रस्तुत किये गये। हर शो में हाल दशर्कों से खचाखच भरा था। कई दर्शकों को खड़े रहकर ही कार्यक्रम का लुत्फ उठाना पड़ा।

कार्यक्रम के दौरान कुल 4 शो आयोजित किए गए जिन्हें 4000 से अधिक लोगों द्वारा देखा व सराहा गया। चार दिनों तक लगातार अंग्रेजी व हिन्दी के अखबारों तथा दूरदर्शन व अन्य इलैक्ट्रोनिक चैनलों द्वारा भरपूर कवरेज की गई। पहले दिन प्रैस कान्फ्रैन्स भी आयोजित की गई। अन्तिम शो का नज़ारा तो देखते ही बन रहा था। टैगोर थियेटर में इतनी भीड़ उमड़ पड़ी कि शहर के प्रतिष्ठित व्यक्तियों को भी खड़े होकर या सीड़ियों पर बैठकर कार्यक्रम देखना पड़ा। लोगों की भीड़ को नियन्त्रित करने के लिए संस्था द्वारा हर शो के पास जारी किए गए थे।

तीन दिन के शहर प्रवास के दौरान रशिया के सैन्ट पीटरसवर्ग शहर में ब्रह्माकुमारी संस्था की निदेशिका **बी. के. सन्तोष दीदी के नेतृत्व में रशिया के मशहूर रॉक सिंगर अलबर्ट असादूलीन** तथा अन्य कलाकारों ने अनेक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से शहर के लोगों का मन मोह लिया। भारतीय परिधान पहने रूसी भाई-बहनों द्वारा हिन्दी व पंजाबी गीत प्रस्तुत करके सबके दिलों पर रूस व भारत की मित्रता व प्यार की अमिट छाप छोड़ी गई।

पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट के जज जस्टिस ए. एन. जिंदल, जस्टिस राजन गुप्ता, जस्टिस एम.एम. एस. बेदी, पूर्व जस्टिस एम एम अग्रवाल, पूर्व जस्टिस जी के मजिठिया, पंजाब के वित्त सचिव टी.आर. सारंगल, हरियाणा के वरिष्ठ आई ए एस अधिकारी श्रवण सिंह, पंजाबी फिल्मी अभिनेता मेहर मित्तल, हरियाणा के पूर्व मुख्य सचिव एम एल गोयल, पंजाब गवर्नर के सैक्रेट्री एम पी सिंह, हरियाणा के एडवोकेट जनरल एच एस हुड्डा, पंजाब के मुख्यमन्त्री के कानूनी सलाहकार पी मत्तेवाल, पूर्व मेयर हरजिन्द्र कौर सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों द्वारा ब्रह्माकुमारी संस्था के क्षेत्रीय प्रमुख बी के अचल दीदी, क्षेत्रीय निदेशक बी. के. अमीर चन्द व बी. के. सन्तोष दीदी की उपस्थिति में दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया।

झलकियाँ

विविधता में एकता को समर्पित इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में रूस के नौजवानों ने जब मशहूर पंजाबी गीत अज सारयां नू भंगडा पान दो, नाले खुशी मनाईये पर भंगड़ा किया तो सभागार में मौजूद सभी लोग नाचने पर मजबूर हो गए। राधे कृष्ण के रूप में सजी रूसी युवतियाँ परियों से कम नहीं लग रही थी।

रशिया के मशहूर रॉक सिंगर अलबर्ट असादूलीन ने माँ तूझे सलाम, वन्दे मातरम का गाना पेश किया तो सभा में मौजूद महिलाओं की आँखें नम हो गई। परमात्मा शिव को याद करने की तरफ इशारा करता गीत सत्यम शिवम सुन्दरम रूसी पॉप गायक के द्वारा सुनकर लोग भक्ति भाव में लीन हो गए। अलबर्ट असादूलीन ने गीत - है प्रीत जहां की रीत सदा मैं गीत वहां के गाता हूँ, भारत का रहने वाला हूँ, भारत की बात सुनाता हूँ, सुनाकर भारत के गौरवमय इतिहास का गुनगान किया।

इस मौके पर दर्शकों को अनेक रशियन गीतों व विभिन्न नृत्यों को देखने व सुनने का अवसर भी मिला। हम सब एक हैं और एक ईश्वर की सन्तान हैं को दर्शाता रूस और पंजाब के मिलेजुले नृत्य का नजारा तो देखते ही बन रहा था जिसे सभी ने सराहा। कलाकारों ने अपनी रशियन भाषा में भी अनेक गीत गाये। सदा मुस्कराने पर आधारित एक रशियन गीत का सार था-कि सदा खुश रहो, मुस्कराते रहो और खजाना खुशी का लुटाते रहो, गाते रहो, गुनगुनाते रहो, मिलन प्यारे प्रभू से मनाते रहो।

ओम शान्ति का पैगाम देता गीत शान्ति का जब आएगा सवेरा, दूर हो जाएगा अन्धेरा, लोगो सुनलो ये सन्देश मेरा ने सबको भावुक कर दिया। विश्व एकता का पाठ पढ़ाता गीत सबका मालिक एक फिर बंटा हुआ क्यों संसार है, सच पूछो तो सारी दुनिया अपना ही परिवार है, ने नफरत छोड़ प्यार व भाईचारा लाने के लिए प्रेरित किया। पवित्र मन रखो, पवित्र तन रखो, पवित्रता ही मनुष्यता की शान है, जो मन वचन कर्म से पवित्र है वह चरित्रवान ही यहां महान है द्वारा मन वचन कर्म की शुद्धता की बात की गई।

बी. के. अमीर चन्द